



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 14 सितम्बर, 2005/23 भाद्रपद, 1927

हिमाचल प्रदेश सरकार

आद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग

अधिसूचना

हमीरपुर, 3 अगस्त, 2005

संख्या एक० डी० एस०-एच० एम० आर०/मू० सूचि/05-6020-80.—इस कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या एक० डी० एस०-एच० एम० आर०/मू० सूचि/04/4453-4510, दिनांक 13-6-05 जो राजपत्र (असाधारण) में दिनांक 20-6-2005 को प्रकाशित हो चुकी है की निरन्तरता में तथा हि० प्र० जमाखोरी मुनाफाखोरी निरोधक आदेश, 1977 की धारा 3(1) ई के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, रजनीश कुमार, भा० प्र० से०, जिला वण्डाधिकारी हमीरपुर, हि० प्र० उपरोक्त अधिसूचना की अनुसूची में दर्ज आवश्यक वस्तुओं के परचून भाव आगामी दो माह तक लागू रखने के सहर्ष आदेश देता हूँ।

रजनीश कुमार,  
जिला वण्डाधिकारी,  
हमीरपुर।

कार्यालय उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, जिला कांगड़ा

कारण बताओ नोटिस

धर्मशाला, 17 अगस्त, 2001

संख्या पंच-के० जी० आर०-ई०-2115.—आपके विरुद्ध कुछ निवासी, ग्राम पंचायत पलेरा द्वारा सरकारी भूमि पर नज़ायज कब्ज़ा बारे की गई शिकायत की जांच तहसीलदार, कांगड़ा द्वारा की गई है, जिसकी रिपोर्ट का अवलोकन करने पर पाया गया कि आप द्वारा सरकारी भूमि स्थित खसरा नं० 1212/1, रकबा तादादी 0-00-32 हैबटेयर पर नज़ायज कब्ज़ा करके स्लेटपोस दुकान तामीर की गई है जो कि हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (सी) की उल्लंघना है।

अतः आपको हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) के अन्तर्गत सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है कि क्यों न उपरोक्त अधिनियम की धारा 122 (1) (सी) के अधीन आपको सदस्य, वार्ड नं० 2, ग्राम पंचायत पलेरा, विकास खण्ड कांगड़ा के पद पर बने रहने के अयोग्य घोषित किया जाए। आपका उत्तर इस नोटिस प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर-भीतर खण्ड विकास अधिकारी, कांगड़ा के माध्यम से इस कार्यालय में प्राप्त होना चाहिए अन्यथा मामले में आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

हस्ताक्षरित/-

उपायुक्त,  
कांगड़ा स्थित धर्मशाला।

कार्यालय उपायुक्त कुल्लू, जिला कुल्लू (हि० प्र०)

कार्यालय आवेश

कुल्लू, 29 अगस्त, 2005

संख्या पी० सी० एच० (कु०)-त्यागपत्र-1951-57.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, नगर ने अपने पत्र सं० 2156, दिनांक 8-8-2005 में इस कार्यालय को सूचित किया है कि उनके विकास खण्ड की ग्राम पंचायत मनाना के वार्ड नं०-5 के सदस्य श्री बुध राम ने स्वैच्छा से अपना त्याग-पत्र दे दिया है। जिसे स्वीकृत करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, चमेल सिंह, उप युक्त, कुल्लू, जिला कुल्लू उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 (1) पठित हि० प्र० पंचायती राज (सामान्य) नियम 135 के अन्तर्गत प्राप्त है श्री बुध राम, सदस्य ग्राम पंचायत मनाना के त्याग-पत्र को उपरोक्त दर्शाई गई दिनांक से सहर्ष स्वीकार करता हूँ तथा ग्राम पंचायत मनाना के सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

चमेल सिंह,

उपायुक्त,  
कुल्लू, जिला कुल्लू (हि० प्र०)।

कार्यालय भू-व्यवस्था अधिकारी, शिमला मण्डल, शिमला-171009

## अधिसूचना

शिमला-171009, 29 अगस्त, 2005

संख्या रैव0 एस0 टी0 (एस0 एम0 एल0) ए-72/2000-328-37. — हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1954 की धारा-33 के अन्तर्गत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना नम्बर रैव0 2 एफ (8)-1/91, दिनांक 4 जून, 1997 की पालना में महाल मझोली, तहसील नाहन व महाल चमोड़ा, तहसील पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के अधिकार अभिलेख का विशेष पुनरावलोकन किया गया। इनका तैयारी अधिकार अभिलेख 1981 में आरम्भ करके 1991 में समाप्त किया गया। उक्त भू-राजस्व अधिनियम की धारा-52 के अन्तर्गत जारी अधिसूचना संख्या रैव0 2 एफ0 (8)-1/91, दिनांक 4 जून, 1997 की पालना में इन महालों में पुनः निर्धारण का कार्य किया गया। जिसकी घोषणा नियमानुसार जनवरी, 2000 को की गई तथा सरकार से इन महालात की किण्वतबंदियां भी पत्र संख्या रैव0 बी0 एफ0 (8)-5/96, दिनांक 31-3-2000 द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है। इस प्रकार से इन महालात का कार्य वर्ष 2000 में समाप्त हो चुका है।

अतः हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व (संशोधन) विधेयक, 2004 द्वारा संशोधित धारा 33 (9) के अर्थात्-नुसार महाल मझोली, तहसील नाहन व महाल चमोड़ा, तहसील पच्छाद, जिला सिरमौर का कार्य "तैयारी अधिकार अभिलेख" व "पुनर्निर्धारण" समाप्त घोषित किया जाता है।

बी0 आर0 वर्मा, भा0 प्र0 से0,

भू-व्यवस्था अधिकारी,  
शिमला मण्डल, शिमला-9.

